

हिसार क्षेत्र के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी

पुष्पा कुमारी¹ एवं डॉ. जयवीर सिंह²

शोधार्थी, इतिहास विभाग

सहायक आचार्य, इतिहास विभाग

ओ. पी. जे. एस विश्वविद्यालय, चुरु, राजस्थान

साम्राज्यवादी अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनता की प्रतिक्रिया का परिणाम था, भारत का स्वतंत्रता आंदोलन। यह आंदोलन विभिन्न क्षेत्रों में अपनी गति से चलता रहा। साम्राज्यवादी शासन के दुष्प्रभावों के साथ-साथ इसमें स्थानीय कारण भी जुड़ते गए। 1857 की घटना ने भारतीय जनता में राष्ट्रवाद एवं देशप्रेम की भावना जागृत कर दी। विशेष रूप से दिल्ली एवं आसपास के क्षेत्र में जहाँ की जनता 1857 के जन विद्रोह में काफी सक्रिय थी। संपूर्ण स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान दिल्ली से सटे क्षेत्र हरियाणा के अनगिनत वीरों ने अपना योगदान दिया है, इनमें से बहुत से योद्धाओं की वीरगाथा से हम अभी भी अपरिचित हैं। हरियाणा के हिसार डिविजन जिसमें वर्तमान फतेहाबाद, सिरसा, हिसार, जींद आदि जिले सम्मिलित हैं, में भी ऐसे कई महान स्वतंत्रता सेनानी हुए हैं जिन्होंने अंग्रेजों के अत्याचार, दमन एवं शोषण का प्रबल विरोध किया। उनमें से कुछ वीरों के साहसिक कार्यों एवं स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान का वर्णन इस प्रकार है।

संदर्भ सूची

- कपूर, मदनलाल (2008), 1857 की क्रांति में हरियाणा का योगदान, जेबीडी प्रा. लि., करनाल
- गुप्ता, जुगलकिशोर (1991), हिस्ट्री ऑफ सिरसा टाउन, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
- जुनेजा, एम. एम. (2011), लाला हरदेव सहाय: जीवनी, मॉडर्न पब्लिशर्स, हिसार
- जुनेजा, एम. एम. (2004), हिसार सिटी: प्लेसेस एंड पर्सनैलिटीज, मॉडर्न पब्लिशर्स, हिसार
- जुनेजा, एम. एम. (1981), एमिनेंट फ्रीडम फाइटर इन हरियाणा, मॉडर्न बुक कंपनी, हरियाणा
- डॉ. महेंद्र सिंह (2019), हिसार-ए-फिरोजा: इतिहास के झरोखे में, रिसर्च इंडिया प्रेस, नई दिल्ली
- यादव, के. सी. (2003), हरियाणा इतिहास एवं संस्कृति, मनोहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
- संस्कृति मंत्रालय और अमर चित्रकथा के विशेष सहयोग से अमृत महोत्सव के लिए प्रस्तुत श्रृंखला, <https://amritmahotsav.nic.in/unsung-heroes.htm>